पाठ–3

छाता

हमर छाता हमर छाता ।
कतेक नीक हमर छाता ।।
कतेक बढ़िया एकर तार ।
छाता हमर बड़ बुधिआर ।।
रौद बचाबय रोकय पानि ।
हम चलै छी छाता तानि ।।

अभ्यास

1. अध्यापकक नेतृत्वमे नेना लोकनि कविताकेँ सस्वर पाठ करथि। ओकरा दोहराबथि, तेहराबथि ।

(क) छाता अहाँ कतय देखने छी ?

1. घरमे 2. मेलामे 3. अध्यापकक हाथमे
4. दादाजीक हाथमे 5. बाबूजीक हाथमे

(ख) छाता कोन रंगक देखने छी ?

1. लाल छाता, 2. कारी छाता, 3. बहुरंग छाता
4. छोट छाता 5. बड़का छाता

(ग) अनेक प्रकारक छाताक चित्र बनाउ

कारी छाता	**लाल छाता**	**छोटका छाता**

(घ) एहि कविताकेँ पूरा करू

1. कतेक ..... हमर छाता ।
2. रौद बचाबय रोकय ..... ।

□□